1 क्या है लंबा, क्या है गोल?

नाम बताओ

बच्चे अपने मीकू चाचा को बहुत प्यार करते हैं। वे रोज़ उनके साथ खेलते हैं। आज उन्होंने अपने थैले में तरह-तरह की चीज़ें रखी हैं। खेल है 'नाम बताओ'।

मीकू चाचा अपना हाथ थैले में डालते हैं।

टीम 'ए' गाना गाती है।

© NCERT not to be republished

टीम 'ए' कहती है — पेंसिल।

✦ क्या तुम भी ऐसा ही सोचते हो?

क्यों न तुम मीकू चाचा के सवाल का कोई अलग जवाब सोचो। ____________

अब टीम 'ए' की बारी है छूकर पता लगाने की। वे गाते हैं —

छूने में कैसा ज़रा बताएँ।
नाम बताएँ, खेल जीत जाएँ।

टीम 'ए' का बच्चा अपना हाथ थैले में डालता है। टीम 'ए' के दूसरे बच्चों को पता लगाना है। क्या तुम उनकी मदद कर सकते हो?

'नाम बताओ' खेल बच्चों को विभिन्न वस्तुओं की आकृतियों को ध्यानपूर्वक देखने तथा उनका वर्णन करने में मदद करता है। वस्तुओं की भौतिक विशेषताओं जैसे — किनारे, कोने, चिकनी अथवा खुरदरी सतह अथवा लुढ़कती या खिसकती है आदि के बारे में बातचीत करें। उदाहरणार्थ — माचिस की डिबिया के कोने नुकीले होते हैं और उसे लुढ़काया नहीं जा सकता जबकि एक प्लेट चपटी होती है तथा उसे लुढ़का सकते हैं।

© NCERT not to be republished

यह खेल तुम अपनी कक्षा में खेल कर देखो। तुम इसे टीम बनाकर भी खेल सकते हो। तरह–तरह की चीज़ें एक थैले में डालो। एक बच्ची की आँख पर पट्टी बाँध दो। वह अपना हाथ थैले में डालेगी। अब उसे बताना यह है कि थैले में पकड़ी चीज़ छूने में कैसी है। टीम के बच्चों को उस चीज़ का नाम बताना है।

कितना मज़बूत है पोस्टकार्ड?

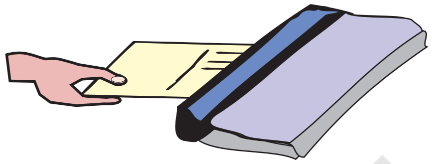

एक पोस्टकार्ड को एक कोने से पकड़ो। अगर तुम उसपर एक किताब रखो, तो क्या वह किताब का भार उठा सकता हैं? पोस्टकार्ड की जगह तुम कोई दूसरा कोई भी ले सकते हो।

अब यह करके देखो

1. पोस्टकार्ड को गोल मोड़ कर एक पाइप-सा बना लो।

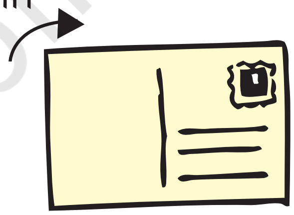

2. टेप से दोनों मुड़े हुए छोर जोड़ दो।

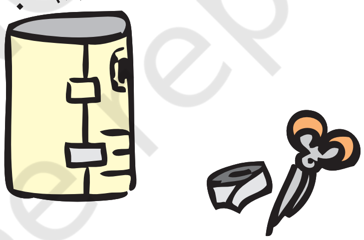

3. अब इस पर एक किताब रखो। क्या पोस्टकार्ड उसका भार उठा लेता है? देखो पोस्टकार्ड ने कितनी किताबों का भार सँभाला।

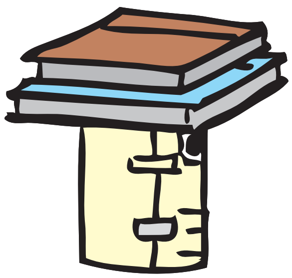

शिक्षक: उपलब्धता के आधार पर किसी भी कार्ड से गतिविधि करवाएँ।

© NCERT
not to be republished

जल्दी-जल्दी फटाफट

बच्चे कक्षा में एक गोल घेरे में बैठे हैं।
वे इस खेल को खेल रहे हैं और गा रहे हैं।

क्या है लंबा, क्या है गोल?
जल्दी बोल, जल्दी बोल।

रीना कहती है –

सभी बच्चे गा रहे हैं

क्या है लंबा, क्या है गोल?
जल्दी बोल, जल्दी बोल।

मीनू कहती है —

और इस तरह से खेल चलता रहता है।

✦ तुम भी इस खेल को अपनी कक्षा में खेलो। बारी-बारी से एक लंबी और एक गोल चीज़ के नाम बोलो। खेल में जिस चीज़ का नाम एक बार बोल दिया जाए उसे दोबारा नहीं बोलना है।

© NCERT not to be republished

क्या लुढ़का, क्या खिसका?

चित्र को देखो। पार्क में कुछ बच्चे चीज़ों को लुढ़का रहे हैं और खिसका रहे हैं।

कुछ चीज़ें ऐसी होती हैं जिन्हें लुढ़काया जा सकता है और कुछ जिन्हें खिसकाया जा सकता है।

कुछ चीज़ें लुढ़क भी सकती हैं और खिसकाई भी जा सकती हैं।

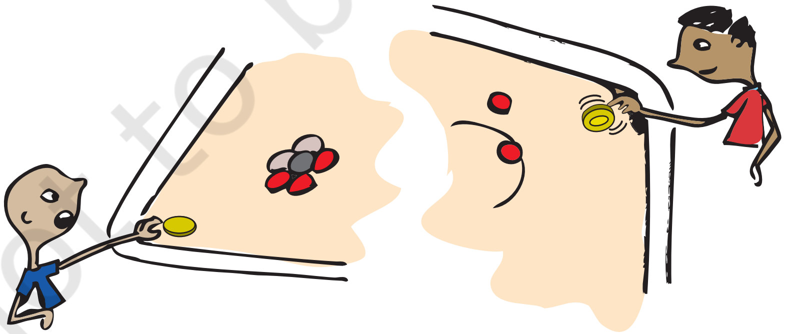

बच्चों के परिवेश में जो चीज़ें लुढ़कती या खिसकती हैं, उन पर चर्चा कीजिए। लुढ़कने और खिसकाई जा सकने वाली चीज़ों की आकृतियों पर उनका ध्यान दिलाइए। इनके गुणों और इनके अंतर पर बातचीत कराएँ, जैसे कि किनारे, कोने, चिकनी खुरदरी सतहें, लुढ़कती या खिसकती है या नहीं।

2022-23

अपने चारों ओर की चीज़ों को देखो।

नीचे लिखो –

चीज़ें जो लुढ़क सकती हैं	चीज़ें जो खिसकाई जा सकती हैं	चीज़ें जो लुढ़काई और खिसकाई भी जा सकती हैं

अपना छोटा-सा पेड़

1. एक कागज़ लो।

2. इसे मोड़ कर एक पाइप बनाओ।

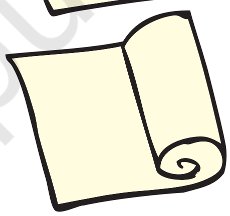

3. तुम्हारा कागज़ का पाइप देखने में ऐसा लगेगा। गोंद या टेप से इसे चिपकाओ।

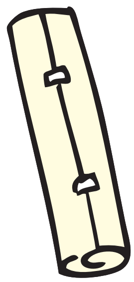

4. कैंची से कागज़ के इस पाइप के एक छोर को 7 या 8 जगह काटो।

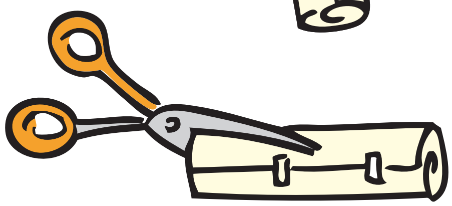

5. काटे हुए कागज़ के सिरों को नीचे की ओर मोड़ो। तुम्हारा अपना पेड़ तैयार है। इसमें रंग भी भर सकते हो।

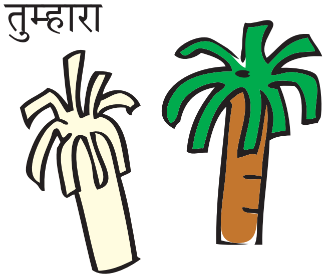

© NCERT not to be republished

मेरी मीनार सबसे ऊँची

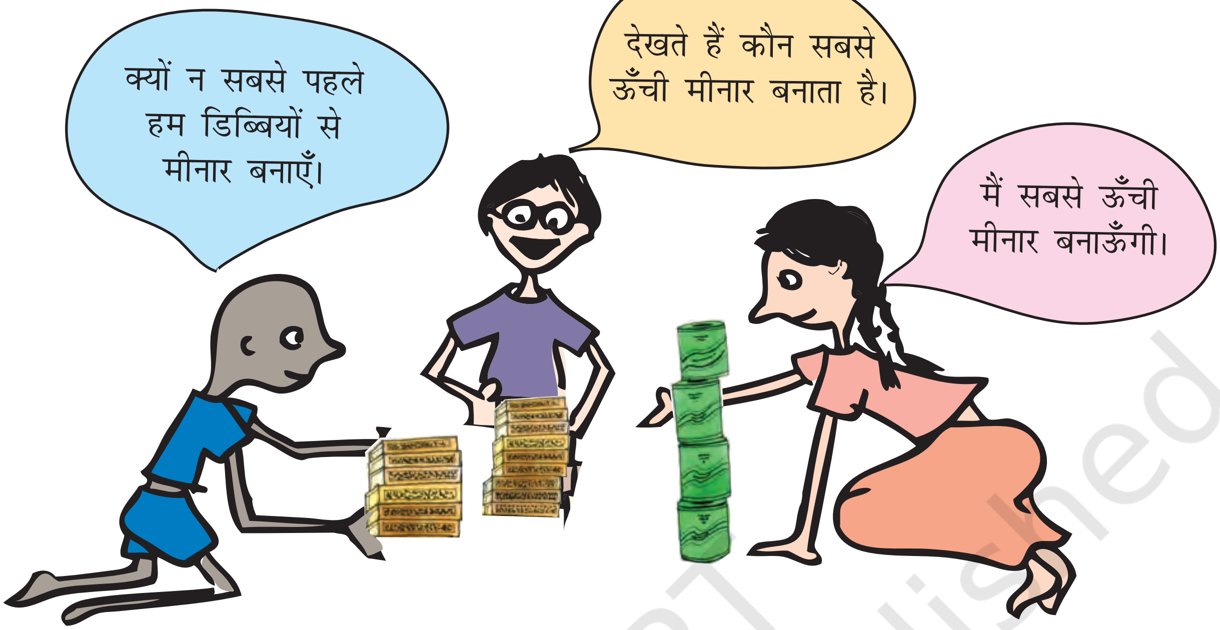

- अलग-अलग तरह की चीज़ें जमा करो। जैसे — तरह-तरह के डिब्बे, गेंद, रबड़, माचिस की डिब्बियाँ आदि।
- अलग-अलग चीज़ों का इस्तेमाल कर अपनी मीनार बनाओ — जैसे केवल माचिस की डिब्बियों से या फिर केवल टीन के डिब्बों से।

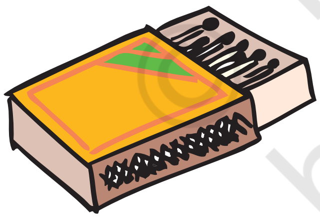

अब एक साथ कई चीज़ों का इस्तेमाल कर मीनार बनाओ जैसे — जूते के डिब्बे और टीन के डिब्बे एक साथ या फिर गेंद और माचिस की डिब्बियाँ एक साथ।

किन वस्तुओं को एक के ऊपर एक रखा जा सकता है और किन्हें नहीं – इस पर कक्षा में एक परिचर्चा कीजिए। किन वस्तुओं की सतह चपटी होती हैं और किनकी नहीं – इसे जानने के लिए बच्चों को प्रेरित कीजिए। उन वस्तुओं के आकारों को वे महसूस कर सकते हैं जो सतह पर स्थिर रहते हैं। दुकानों में साबुन, चाय के डिब्बे तथा टीन को किस तरह से एक-दूसरे पर चढ़ा कर रखा जाता है – इस पर चर्चा करें। बच्चे 'पिट्ठू' (सात पत्थरों का खेल) जैसे खेल से आनंदित होते हैं जहाँ उन्हें अलग-अलग आकारों के पत्थरों को एक-दूसरे पर कम-से-कम समय में रखना होता है, जबकि दूसरी टीम गेंद के लिए भागती है।

© NCERT not to be republished

सिक्कों का खेल

इन्हें अपने सिक्के से करने की कोशिश करो।

- सिक्के को इस तरह से पकड़ो।

- सिक्के को घुमाओ। क्या यह गेंद की तरह दिखता है?

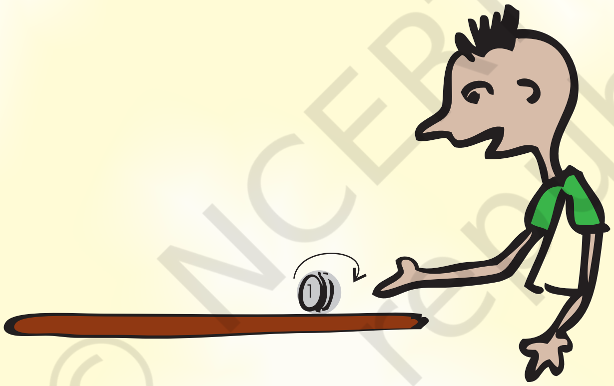

- क्या सिक्का लुढ़कता है?
  क्या यह खिसकाया जा सकता है? करके देखो।

- क्या तुम एक रुपये के सिक्के को इस तरह से खड़ा कर सकते हो? ____________

अब इसे ₹ 2 और ₹ 5 के सिक्कों के साथ करने की कोशिश करो।

© NCERT not to be republished